नारीलोक

जनवरी 2026 अंक 330

अध्यक्षीय कार्यालय
SUMAN NAHATA
G-67, Kirti Nagar, New Delhi, 110015
Mob no: 9818854120
Email: sumannahata67@gmail.com

अध्यक्षीय टंकार

सम्माननीय बहनों!

नव प्रातः लिए, नव आस लिए, नव वर्ष का नव सोपान है
महक रही हैं मधुर हवाएं, खिला हुआ मानो नव मधुमास है।

नयी उम्मीदें और नए सपनों के साथ बहनों नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। इस नव वर्ष में आपके कदम सफलता की ओर तेजी से अग्रसर हों यही कामना है। नये साल के साथ ही महिला मंडल का एक नया पड़ाव भी शुरू होना चाहिए क्योंकि नया साल हमारे लिए नयी सौगातें व नए सपने लेकर आने वाला है। नये वर्ष पर इस विश्वास को समृद्ध करना है कि जीवन में असंभव कुछ भी नहीं। जब कुछ नया करने का संकल्प जगेगा, पुरूषार्थ की मशाल जलेगी, यथार्थ से रूबरू होंने तब हमारा वो सब कुछ जिससे हम जुड़े हैं, हमारे लिए इस वर्ष का कीमती तोहफा होगा। इसके लिए सृजनशील चिंतन और कर्म को खुला आकाश देने की जरूरत है।

मन की भूमि पर विचारों के बीज संभलकर डालें। जैसा बीज होगा, वैसे ही उसके फल फूल होंगे। मन में किसी के लिए अच्छाई या बुराई के बीज बोने से पहले ध्यान रखें कि ये आपके अपने भीतर ही जड़ें फैलाएंगे। उसकी सुगंधित या दूषित हवा में पहले आप स्वंय सांस लेंगे। लेखक स्टीव मारबली कहते हैं, ''आप झुंझलाते हैं, क्योंकि आप उन फूलों के खिलने का इंतजार कर रहे हैं, जिन्हें अभी बोया जाना है।''

हमें नारी समाज को एक आदर्श मुकाम देने के लिए गुणों, सृजन एवं करूणा के बीज बोने हैं। बहुत बहनें हैं, जो सेहत एवं शील से ज्यादा सुंदरता पर ध्यान देती हैं। ऐसी बहनों का अपने शरीर से नाता केवल रंग, आकार, कपड़ों ओर आभूषणों तक ही सीमित होता है। नतीजा, किसी और की खूबसूरती के पैमानों का चश्मा चढ़ाए वे अपनी असली सुंदरता देख ही नहीं पाती, अपने आन्तरिक गुणों को पहचान ही नहीं पाती है। इसी कारण, अनुकूल परिस्थितियाँ होने के बावजूद बहनों को जिस ऊँचाई तक पहुँचना चाहिए था, वे वहाँ तक नहीं पहुँच पाई हैं। आदर्शों के हिमालय तक आरोहण करने तथा संकल्पों के सोपान की संरचना करने के लिये बहनें स्वयं सोचें, बड़ा सोचें, अपने कार्यक्रमों में नये आयाम जोड़े।

अब्राहम लिंकन ने कहा है कि आप कितने साल जीये यह मायने नहीं रखता, बल्कि इन सालों में आपने कितनी जिंदगी जी, यह मायने रखता है। इसलिये बहनों हमें अपने जीवन के पल-पल को जीना और सार्थक करना है। संस्कृत के सूत्र 'चरैवेति-चरैवेति' को आत्मसात करते हुए सार्थक जीवन हेतु आत्म-चिन्तन, स्व-मूल्यांकन और स्वयं के लिए जीवन लक्ष्यों का निर्धारण करें। सिर्फ काम करने और कुछ अच्छा काम करने में बहुत अंतर है। अधिकतर समय हम बहनें ऐसे काम को करने में लगी रहती है, जिनसें हमें हमारे लक्ष्य एवं मंजिल कभी हासिल नहीं हो सकते। हम सिर्फ अपना अमुल्य समय बर्बाद कर रह होते हैं। अपने आप से पूछो, क्या यह काम अगले पांच साल में मायने रखेगा? यह एक अच्छा सवाल है। इससे आपको समय खपाने वाले साधारण काम और ऐसे काम, जिनका असर जिंदगी, आपके जीवन की मूल्यवता पर पड़ने वाला है, इसमें अंतर का पता चल सकेगा।

यह कतई जरूरी नहीं है कि आपको हर विषय के बारे में जानकारी हो। आपका सर्वाधिकार है कि आप उन चीजों पर ध्यान दें, जो आपकी नजर में महत्वपूर्ण हैं। जिंदगी के मायने सभी के लिए अलग हैं। उसे जीने के अंदाज भी सबके अपने-अपने हैं। कोई एक ही चीज सबको खुशी देगी या फिर हमेशा खुश रखेगी, नहीं कहा जा सकता। पर अच्छी जिंदगी के लिए कुछ बातों को जरूर याद रखा जा सकता है, जैसे कि- कोई राय ना बनाएं। काम ज्यादा करें। बड़े सपने देखें। खूब हंसें और ये महसूस करते रहें कि आप कितनी खुशकिस्मत हैं। जीवन में बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसके लिए शुक्रिया कहा जा सकता है। आभार है हर उस रात का, जो सुबह का सूरज साथ लाती है। उन दोस्तों का, जो धीरे-धीरे परिवार बन जाते हैं और उन सपनों का भी, जो सच में बदल जाते हैं।

जनवरी माह में संकल्पों एवं कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपनी कड़ी जोड़ते हुए केन्द्र द्वारा निदेर्शित कार्य सम्पादित करें। करणीय कार्य भी इसी नारीलोक में संप्रेषित है। समस्त शाखा मण्डल करणीय कार्यों में अपना श्रम नियोजित करते हुए मंडल की गरिमा एवं प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि करें। पुनः नये वर्ष की शुभकामनाओं के साथ आप सभी के सहयोग, सहभागिता एवं सक्रियता की अपेक्षा रखते हुए....

नयी भोर की नयी सुबह, कर गयी सृजन के हस्ताक्षर।
अमृत की हर बूंद दे गयी, जीवन का वह सुखाक्षर।।

स्नेहाकांक्षी
सुमन नाहटा

उषा

भिक्षुगाथा

अपराजेय व्यक्तित्वः महान चर्चावादी

स्वामीजी केवल आकर्षण के केन्द्र ही नहीं थे, बल्कि कुछ व्यक्तियों के लिए विभीषिका के केन्द्र भी थे। उनके विरोधी सदैव उनसे घबराते थे। उनके साथ चर्चा करने का साहस कर पाना उन सबके लिए बहुत कठिन था। चर्चा में जीतने का तो किसी को स्वप्न भी शायद ही आया हो।

धर्म चर्चा करने की उनकी क्षमता सदा मार्गदर्शन देने वाली थी। तत्व जिज्ञासु उन्हें कभी भूल नहीं सकते। उनके विषय में मुनि वेणीरामजी ने यह बिल्कुल उपयुक्त कहा हैः

हिवै सोध्यां तो पावै नहीं रे, भिक्खु सरीखा साध।
करड़ो काम पड़सी चर्चा तणो रे, तिण वेलां आवसी याद।।

स्वामीजी का किसी व्यक्ति को समझाने का तरीका भी अपना पृथक ही था। बहुत सी बातो को दृष्टान्त देकर इतने सरल ढंग से समझा देते कि लोग आश्चर्यचकित रह जाते। कुछ व्यक्ति शास्त्रीय चर्चा करने आते तो वे उन्हें शास्त्रीय ढंग से ही उत्तर देते। किसी प्रसंग पर उनसे एक बार चर्चा कर लेने मात्र से समाज के दूसरे व्यक्तियों में उनका स्तर ऊंचा माना जाने लगता था।

वस्तुतः स्वामीजी का व्यक्तित्व पूर्णतः अपराजेय था।

आचार्य श्री महाश्रमण जी वाणी

जीवन के दो पहलू

भौतिक और आध्यात्मिक-इन दो पहलूओं के आधार पर पोषण (जीवन का पोषक तत्व) भी दो प्रकार का हो जाता है- भौतिक पोषण और आध्यत्मिक पोषण। इन दोनों प्रकार के पोषणों की सम्यक् पूर्ति स्वस्थ जीवन के लिए अपेक्षित है। आदमी रोटी, पानी आदि के द्वारा भौतिक पोषण प्राप्त करता है, शारीरिक बल प्रमुखतया अर्जित करता है। यह जीवन का एक पक्ष है। इस पक्ष का संबंध इस (वर्तमान जन्म के) जीवन तक सीमित है।

जीवन का दुसरा पक्ष है आध्यात्मिक। इसका संबंध मानसिक शांति, चित्त समाधि, सहज प्रसन्नता, परम आनन्द और आत्मशुद्धि के साथ है। यह पक्ष केवल वर्तमान जीवन तक ही सीमित नहीं है। इस जीवन की समाप्ति के बाद भी यह पक्ष अपना प्रभाव बनाए रखता है। भौतिक पक्ष जीवन की अनिवार्यता है, किन्तु अध्यात्म शून्य भौतिकता अशांति भी पैदा कर सकती है, इसलिए कम से कम दोनों में संतुलन तो स्थापित होना ही चाहिए।

आध्यात्मिक पक्ष को पोषण प्रदान करने के लिए उन उपक्रमों की अपेक्षा रहती है जो हमारे कषाय कों नियन्त्रित, उपशान्त या निर्जीर्ण करने वाले हों। एक शब्द में उन उपक्रमों को 'धर्म' संज्ञा दी जा सकती है।

साभारः धर्म है उत्कृष्ट मंगल

प्रमुखा श्री जी संदेश

आचार्य श्री तुलसी की तेजस्विता

आचार्य श्री तुलसी का संन्यास तेजस्वी संन्यास था। उन्होंने तेजस्वी जीवन जीया और अपने धर्मसंघ को तेजस्वी बनाया। अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान जैसे अवदान देकर मानव-मानव को तेजस्वी बनाने का प्रयत्न किया, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का सपना देखा। उन्होंने अनुभव किया समाज में कुरूढ़ियों की जड़े बहुत गहरी हैं। उन्हें उखाड़ना तो दूर, हिलाना भी कठिन है। उन विषम परिस्थितियों में आचार्य श्री तुलसी ने 'नया मोड' का अभियान चलाया। उस समय कुछ महिलाओं ने आचार्यवर के चिन्तन को आकार देने का प्रयास किया। परिणामस्वरूप पर्दा उठा, बाल विवाह का क्रम बदला, विधवा महिलाओं के संदर्भ में अवधारणा बदली। निरक्षर महिलाएं साक्षर बनने लगी।

जैसे जांबवंत ने हनुमान की शक्ति को जागृत किया वैस ही आचार्य श्री तुलसी ने महिलाओं में छिपी असीम संभावनाओं को उजागर किया। उन्हीं के आशीर्वाद और अनुग्रह की निष्पति है अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, जो वर्तमान में परमपूज्य आचार्य महाश्रमणजी के नेतृत्व में अनवरत विकास की नई उडानें भर रहा है।

साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नवमाचार्य आचार्य श्री तुलसी दीक्षा दिवस
के 100 वर्ष परिसम्पन्नता के उपलक्ष्य में
नौ विधाओं से महिला समाज
की ओर से श्रद्धासिक्त
अभ्यर्थना

1 नौ घण्टे का जाप | 2 उपवास | 3 आयंबिल | 4 मौन

5 ऑनलाइन क्विज़ | 6 स्लोगन प्रतियोगिता | 7 आ. तुलसी स्केच | 8 पुस्तक भेंट | 9 तुलसी अष्टकम् कण्ठस्थ

नौ घण्टे जाप
258 क्षेत्र
9240 व्यक्ति

उपवास
226 क्षेत्र
2503 व्यक्ति

आयंबिल
169 क्षेत्र
1370 व्यक्ति

मौन
218 क्षेत्र
3212 व्यक्ति

तुलसी अष्टकम्
149 कण्ठस्थ क्षेत्र
3373 व्यक्ति

स्लोगन
178 सृजन क्षेत्र
1380 व्यक्ति

आचार्य तुलसी स्केच
155 क्षेत्र
458 व्यक्ति

साहित्य भेंट
122 क्षेत्र
304 व्यक्ति

ऑनलाइन क्विज
1054 व्यक्ति

देश विदेश की विभिन्न
भाषाओं में
आचार्य तुलसी को वन्दन

आचार्य तुलसी
पर आधारित धर्मचक्र का प्रवर्तन
पुस्तक देश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भेंट

तुलसी प्रबोध
पर गूगल फॉर्म
द्वारा आयोजित क्विज

संयोजिका
श्रीमती निधि सेखानी

सह–संयोजिका
स्केच/स्लोगन
श्रीमती अनिता बरड़िया

सह–संयोजिका
पुस्तक भेंट/कण्ठस्थ
श्रीमती श्रेया बाफना

सह–संयोजिका
जाप/उपवास/आयंबिल/मौन
श्रीमती मनीषा बोथरा

सह–संयोजिका
ऑनलाइन क्विज
श्रीमती संतोष वेदमुथा

निर्णायक : स्लोगन : श्रीमती सुनीता जैन स्केच : श्रीमती वीणा बैद

"श्रद्धा"
-गुरु ने की अमृत वर्षा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन के दूसरे दिन का अंतिम सत्र ज्ञानाराधक परमपूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। आचार्यश्री ने बहनों को प्रेरित करते हुए कहा कि "परम पूज्य गुरुदेव तुलसी के समय में यह महिला मंडल संस्था शुरू हुई। सक्रियता की लौ प्रतीत हो रही है। बहुत अच्छी संस्था है। कोई अच्छा काम दिया जाए तो काम करने वालों में काफ़ी अच्छा उत्साह, काफ़ी सक्रियता दिखाई दे रही है। स्व-चिंतित कार्यक्रम मिलते रहे तो महिला मंडल से काफ़ी आशा है। अच्छे ढंग से काफ़ी काम संचालित किया जा सकता है। क्षमता अनुमानित हो रही है। अच्छा काम क्रियान्वित करने के लिए सामर्थ्य महिला मंडल में है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का यह जो बीच का सम्मेलन है जो कि विराट सम्मेलन हो गया- छोटे गाँवों में इतना बड़ा समागम श्राविकाओं का जो हुआ है, इतना बड़ा सम्मेलन हुआ है।"

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा ने गणाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी के दीक्षा शताब्दी वर्ष के अवसर पर नौ दीपों की श्रद्धा-भेंट गुरु चरणों में समर्पित की तथा सम्मेलन का संक्षिप्त परिचय देते हुए योगक्षेम वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी निवेदित की।

मुख्य मुनिश्रीजी के गीत से वातावरण भक्तिमय हो उठा। साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी ने महिलाओं की कर्मजा शक्ति की सराहना करते हुए मंडल के कार्यों को प्रेरणादायी बताया, वहीं साध्वीवर्याजी ने सही श्रद्धा की पहचान और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

श्रद्धा:
विराट महिला सम्मेलन-सिरियारी

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल सिरियारी द्वारा आयोजित "श्रद्धा" विराट महिला सम्मेलन, सिरियारी में श्रद्धा, संस्कार, संस्कृति और नारी-शक्ति का प्रेरणादायी संगम बना। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, प्रधान ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा एवं महामंत्री श्रीमती रचना हिरण द्वारा ध्वजारोहण कर सम्मेलन का गरिमामय शुभारंभ हुआ।

प्रथम सत्र–"श्रद्धा : हमारी ताक़त" में महामंत्रोच्चारण, मंगलाचरण और प्रेरणादायी उद्बोधनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसी सत्र में राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी जी के प्रेरक संदेश ने नारी-शक्ति, संस्कार और मूल्यों के महत्त्व को रेखांकित किया।

द्वितीय सत्र – "श्रद्धा की लहर" में देशभर की शाखा मंडलों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने श्रद्धा की भावना को और सशक्त किया।

तृतीय सत्र – "भिक्षु म्यूज़ियोरामा" श्रद्धा, कला और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम रहा, जिसमें आचार्य श्री भिक्षु के जीवन प्रसंगों की सजीव प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया।

चतुर्थ सत्र – "श्रद्धा समर्पण" में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संगीतमय भावों ने आयोजन को भावनात्मक ऊँचाई दी।पंचम सत्र "श्रद्धा की अनुगूंज" के अंतर्गत 17 दिसंबर की रात्रि 11 से 12 बजे तक भिक्षु समाधि स्थल पर सामूहिक जाप कर भिक्षु स्वामी की आध्यात्मिक ऊर्जा को आत्मसात किया गया।

षष्टम् सत्र – "श्रद्धा के रंग, विश्वास के संग" के मुख्य अतिथि एवं वक्ता कोच भूपेंद्र सिंह राठौड़ (BSR) रहे। अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में उन्होंने जीवन को सहजता से स्वीकार करने, सोच में सकारात्मक परिवर्तन, अपरिग्रह के महत्त्व, संकल्प-शक्ति और रिश्तों की गहराई पर सरल शब्दों में मार्गदर्शन दिया। 'मैं स्वस्थ हूँ' जैसी अनुप्रेक्षा के माध्यम से उन्होंने बहनों में आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संचार किया।

लोकप्रिय अभिनेता श्री अमिताभ बच्चन को आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी मोमेंटो भेंट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने अपने संगठन की गरिमा, आध्यात्मिक दृष्टि और अदम्य संगठन-शक्ति को राष्ट्रीय पटल पर नए आयाम देते हुए कौन बनेगा करोड़पति के प्रतिष्ठित मंच पर एक ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज करवाई। इस विशेष अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती रचना हिरण ने आदरणीय अमिताभ बच्चन जी से भेंट कर तेरापंथ की दिव्य परंपरा और सामाजिक-सांस्कृतिक योगदान की सारगर्भित प्रस्तुति दी।

उन्होंने अमिताभ जी के समक्ष आचार्य भिक्षु के त्रिशताब्दी वर्ष की, तेरापंथ की मूल्य-समृद्ध विरासत तथा आचार्य महाश्रमण जी की ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा, जिसने पूरे विश्व में शांति, नैतिकता और सद्भाव का संदेश पहुँचाया, का व्यापक परिचय कराया।

संगठन की ओर से प्रेरणा-चिन्ह के रूप में एक सुंदर मोमेंटो भेंट किया गया, जिसमें अमिताभ बच्चन जी के व्यक्तित्व को दर्शाते हुए कविता, तेरापंथ की परंपरा, अनुशासन और सेवा-समर्पण की झलक अंकित थी।

अमिताभ बच्चन जी ने महिला मंडल की गतिविधियों, सामाजिक सेवा संकल्प और मूल्य-आधारित कार्यशैली की सराहना करते हुए आत्मीय संवाद किया। उनका विनम्र व्यवहार और प्रोत्साहनपूर्ण शब्द वहाँ उपस्थित हर प्रतिनिधि के लिए अविस्मरणीय रहे।

इस सौभाग्यपूर्ण क्षण ने न केवल तेरापंथ महिला मंडल की गौरव गाथा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर तेरापंथ की पहचान, उसके आध्यात्मिक संदेश और महिला शक्ति के योगदान को भी नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं।

निश्चय ही यह ऐतिहासिक मिलन तेरापंथ महिला मंडल के आत्मविश्वास, सक्रियता और प्रगति की दिशा को और अधिक प्रकाशित करता रहेगा।

महिला मंडल-करणीय कार्य

मर्यादा महोत्सव - मर्यादा क्वेस्ट प्रतियोगिता

तेरापंथ धर्मसंघ द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस बार भी जनवरी माह में मर्यादा महोत्सव मनाया जा रहा है। इस माह सभी शाखा मंडलों को अपने क्षेत्रों में मर्यादा क्वेस्ट के रूप में एक प्रतियोगिता का आयोजन करना है।

"मर्यादा क्वेस्ट- चलो खोजें मर्यादा का मर्म"

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य है- तेरापंथ की मर्यादाओं को केवल नियम के रूप में नहीं, बल्कि जीवन साधना और जागरूकता के मार्ग के रूप में समझना और आत्मसात करना।

आयोजन का स्वरूप :

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक महिला मंडल टीम 3 से 5 सदस्यों की होगी। प्रतियोगिता को पाँच रचनात्मक राउंड्स में विभाजित किया गया है।

Round 1: "मैं कौन सी मर्यादा हूँ"

संकेतों और पहेलिओं के माध्यम से मर्यादा की पहचान।

Round 2: "मर्यादा पत्र क्विज़"

तेरापंथ धर्मसंघ की मर्यादाओं, मर्यादा पत्र और उसके मूल उद्देश्यों पर आधारित प्रश्नोत्तर।

Round 3: "मर्यादा परिस्थितियों में"

आधुनिक जीवन की परिस्थितियों में मर्यादा का पालन कैसे करें?- इस विषय पर प्रश्नोत्तर सत्र।

Round 4: "मर्यादा का मनन"

टीम के सदस्य अपने व्यक्तिगत अनुभव या प्रेरक प्रसंग साझा करेंगे, जहाँ उन्हें मर्यादा ने दिशा दी। अथवा मर्यादा का सार एक मिनट की रचनात्मक प्रस्तुति (कविता, स्लोगन, आदि) के रूप में भी किया जा सकता है।

संदर्भ सामग्री:

मर्यादा पत्र, श्रावक निष्ठा पत्र, श्रावक दिशा निर्देशिका आदि का उपयोग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए किया जा सकता है। प्रतियोगिता से संबंधित सभी आवश्यक प्रश्न, नियम और सामग्री निर्धारित तिथि पर प्रत्येक क्षेत्रीय महिला मंडल को उपलब्ध करा दी जाएगी।

मुख्य उद्देश्य:

मर्यादा महोत्सव के अवसर पर संघ की पवित्र परंपराओं को नव रूप में अनुभव करना, महिलाओं में मर्यादा-बोध, सृजनशीलता और संघनिष्ठा को सशक्त बनाना।

WORLD CANCER DAY

विश्व कैंसर दिवस, 4 फ़रवरी 2025 के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के मार्गदर्शन में देशभर के सभी क्षेत्रीय महिला मंडलों **PAP SMEAR TEST CAMP** आयोजित करें। इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल में हमें एशिया के प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुंडलिया जी एवं **BLK Hospital, New Delhi** का अमूल्य सहयोग प्राप्त हो रहा है।

PAP SMEAR TEST हेतु आवश्यक टेस्ट फॉर्म एवं टारगेट फॉर्म की प्रतियाँ नीचे साझा की जा रही हैं, जिनका PDF शीघ्र ही आप सभी को प्रेषित किया जाएगा। सभी शाखा मंडलों से अनुरोध है कि इन फॉर्म की प्रतियाँ निकलवाकर अपने-अपने क्षेत्र में समय रहते वितरित करें तथा निर्धारित तिथि तक अपनी मंडल की बहनों से फॉर्म भरवाकर क्षेत्रीय संयोजिकाओं को भेजना सुनिश्चित करें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वाधान में आयोजित
विश्व कैंसर दिवस (4फरवरी)

TESTING FORM

शाखा का नामः _____ दिनांकः _____

क्षेत्रीय अध्यक्ष का नामः _____ फोन नंबरः _____

जाँच कराने वाली का नामः _____ फोन नंबरः _____

मैंने विश्व कैंसर दिवस(4 फरवरी) पर आयोजित पेप स्मियर टेस्ट _____
(अस्पताल नर्सिंग होम भवन) में करवाया है।

हस्ताक्षर

जाँच कराने वाली के _____ अध्यक्ष _____ मंत्री _____

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वाधान में आयोजित
विश्व कैंसर दिवस (4फरवरी)

TARGET FORM

शाखा का नामः _____ दिनांकः _____

क्षेत्रीय अध्यक्ष का नामः _____ फोन नंबरः _____

हमारे क्षेत्र से कुल _____ बहनों ने पेप स्मियर टेस्ट हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष _____ मंत्री _____

मुख्य संयोजिका

श्रीमति नीतू पटावरी 98180 98013

संयोजिका

श्रीमति प्रीति घोषल 88004 46397

श्रीमति अर्चना भंडारी 98100 11500

♦ युवती विभाग-करणीय कार्य ♦

PROUD TO BE TERAPANTHI

नव वर्ष की नव शुरुआत-एक नए संकल्प के साथ।

बहनों, महिला मंडल की प्रत्येक गतिविधि में आपका पूर्ण सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। इसी सहयोग के बल पर अखिल भारतीय महिला मंडल इस माह आप सभी के लिए कुछ विशेष, कुछ सार्थक और कुछ अलग लेकर आ रहा है। इस महीने हम सभी मिलकर एक छोटा, किंतु अत्यंत प्रभावशाली कार्य करने जा रहे हैं।

हम रोज़ फोन पर बात करते हैं, परंतु इस पूरे जनवरी महीने में आप जब भी आप फोन उठाएँ, तो "जय जिनेन्द्र" के साथ गर्व और सकारात्मक भाव से यह वाक्य अवश्य कहें- "तेरापंथी होने पर मुझे गर्व है।" आपकी वाणी से निकले ये शब्द केवल अभिवादन नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कार और संगठन की शक्ति को सामने वाले तक पहुँचाने का माध्यम बनेंगे। साथ ही इस पूरे महीने आप अपने Dp पर 'PROUDLY TERAPANTHI' लगाकर अपनी पहचान पर गर्व व्यक्त करे।

आइए, नव वर्ष में नई सोच, नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

चित्र - चिंतन

Google Form Link:
https://forms.gle/BoitRz1ZzAKp6ryZ6

जो विचारों को करे प्रवाहमान , वो चित्र बनता है यन्त्र,
और बन जाता है , अभिव्यक्ति का सशक्त तन्त्र,
अभिव्यक्ति के स्वर , जब बन जायें प्रेरणा स्वयं,
तो वही एक अदना सा चित्र, बन जाता है मूल मन्त्र।

संलग्न गूगल फॉर्म लिंक के द्वारा चित्र को देखें और नारी की अनन्त भूमिकाओं में से आप स्वयं को किस भूमिका में सर्वाधिक देखना पसन्द करती हैं , 8-10 कव्यात्मक पंक्तियों में अभिव्यक्त करें।

सूचना:-

- प्रस्तुति भेजने की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 है।
- शब्द सीमा 100 शब्द।
- प्रविष्टियां Google Form के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी।
- यह प्रतियोगिता 45 वर्ष और उससे कम की उम्र की बहनों के चिन्तन और लेखन के सामर्थ्य को और अधिक उर्वर बनाने हेतु किया जा रहा एक लघु प्रयास है।

अतिरिक्त जानकारी हेतु कृपया चित्र चिंतन प्रतियोगिता संयोजिका श्रीमती शिल्पा बैद से 98113 31163 पर WhatsApp के माध्यम से सम्पर्क करें।

दिसम्बर माह की प्रतियोगिताओं के विजेता रहें:

महिला मंडल QUIZ

Total 1398 Responses

1. प्रियंका छाजेड़ (नोखा)
2. अंशु जैन (किशनगंज)
3. गीता गन्ना (यशवंतपुर)
4. बनिता गोलचा (पूर्वी दिल्ली)
5. सपना सुराणा (हसन)
6. प्रियंका जैन (इरोड)
7. लता दक (चलथान)
8. डिम्पल (चिखली)
9. सुनीता बेताला (छोटी खाटू)
10. संतोष जैन (नोएडा)

कन्या मंडल QUIZ

Total 416 Responses

1. स्नेहा संकलेचा (अहमदाबाद)
2. स्नेहा मनोत (कांकरिया)
3. अनिका चोपड़ा (शाहीबाग)
4. पिंकी जैन (नोखा)
5. दृष्टि संघवी (भुज)
6. मुस्कान सुराणा (बीकानेर)
7. ऋतु सांड (कालू)
8. सिद्धि मेहता (भुज)
9. सलोनी कोठारी (किशनगढ़)
10. साक्षी घोषल (राजलदेसर)

युवती विभाग - चित्र चिंतन QUIZ

Total 673 Responses

1. अमिता बाबेल (भीलवाड़ा)
2. अंकिता बोहरा (दहिसर)
3. बेला एम. डांगी (चेंबूर)
4. दीपिका गिड़िया (आर आर नगर)
5. मोना बोथरा (सूरत)
6. नीतू राखेचा (तेज़पुर)
7. पूजा भुतोड़िया (लाडनूं)
8. प्रियंका अंचालिया (नागपुर)
9. रचना पटावरी (तिरुपुर)
10. स्वीटी दक (नंजनगुड)

विजेताओं को बहुत-बहुत बधाईयां।

सभी विजेताओं से निवेदन है कि कृपया अपना पता संबंधित संयोजिकाओं को WhatsApp कर दें।

आरोहण

By the girls, for the spirit within

प्यारी बेटियों, सस्नेह जय जिनेन्द्र!

प्रकृति का नियम है परिवर्तन। कैलेंडर बदल रहा है। नया सूर्य नए वर्ष की अगवानी करने को तैयार है। नए जोश और नए संकल्पों के साथ हम नव वर्ष में प्रवेश करें और अवलोकन करें कि 2025 में जो लक्ष्य निर्धारित किए उनको पाया या नहीं। अगर नहीं तो पुनः प्रयास करें अपनी लक्षित मंजिल को पाने की। जनवरी माह में गणतंत्र दिवस और तेरापंथ धर्मसंघ का मर्यादा महोत्सव दोनों है। मर्यादा और अनुशासन में रहकर न्याय पूर्ण तरीके से जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। बेटियों ! अनुशासन और मर्यादा आप सभी के जीवन के विकास का आधार बने यही शुभाषंसा करते हैं।

कन्या मंडल संयोजिका	कन्या मंडल सह संयोजिका	अंतरराष्ट्रीय सह संयोजिका
श्रीमती हेमा चौरडिया	श्रीमती जयश्री जोगड	सुश्री जागृति छाजेड, काठमांडू
98102 81155	90282 84801	+977 98186 78503

कन्या मंडल – करणीय कार्य

New Year Resolution

- I am proud to be a Terapanthi - Lets click it in our hearts once a day.
- Lets listen to audio and complete the SEP simple course (Less than an hour per module)

उपनिषद : अंतिम चरण

- दादा, दादी, नाना, नानी को भवन में आमंत्रित करें।
- जो फोटो आपने द्वितीय चरण में खींचे थे, वो फ्रेम करवाकर उन्हें गिफ्ट करें।
- Grand parents को आपके साथ कैसा लगा, उनके अनुभव सुने।
- उनके साथ मनोरंजनात्मक खेल, अंताक्षरी आदि खेले।

Membership Drive

- नए सदस्यों का स्वागत और परिचय सत्र रखें।
- कन्या मंडल से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए नए सदस्यों को प्रेरित करें।

तुलसी अष्टकम

- प्रथम दो पद्य का सुचारू रूप से पुनरावर्तन करें।

संक्षिप्त रिपोर्ट

उपनिषद (Part 1 वीडियो प्रोजेक्ट)- इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत कुल 294 वीडियो प्राप्त हुईं। कन्याओं में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला।

Zoom Meet- 6 दिसंबर इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य कन्याओं के मनोभाव जानना था। कन्याओं ने पूरे उत्साह के साथ अपने अनुभव साझा किए और उपनिषद प्रोजेक्ट की भूरी - भूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि इस मंच से जुड़कर मंच संचालन, बोलने की कला और प्रस्तुति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इस मीटिंग में 300+ कन्याओं की उपस्थिति रही।

Digital Detox (Twitter Competition)- कन्याओं ने नए ट्विटर अकाउंट बनाकर अपनी सोच को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में कुल 130+ प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जो रचनात्मकता और वैचारिक स्पष्टता से भरपूर थीं।

आचार्य श्री तुलसी जीवन वृत्त पेंटिंग प्रतियोगिता- इस विषय पर कुल 185 पेंटिंग्स प्राप्त हुईं, जिनमें कन्याओं की कलात्मक प्रतिभा स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

प्रेरक प्रसंग

♦ WORK ON INSIDE, OUTSIDE WILL CHANGE ♦

एक 6 साल का बच्चा सड़क के किनारे गुब्बारे बेचने वाले के पास जाता है। उसने गुब्बारे वाले से कहा, ''अंकल, मुझे ऊपर जाने वाला **balloon** चाहिए।'' तब उस गुब्बारे वाले भैया ने उस बच्चे को एक लाल रंग का गुब्बारा दिया। बच्चे ने पूछा, ''क्या ये **balloon** ऊपर जाएगा?''

गुब्बारे वाला- ''हाँ ये जायेगा।'' बच्चा- ''तो क्या अंकल ये **Blue** वाला नहीं जाएगा?'' गुब्बारे वाला- ''हाँ ये भी जायेगा।''

इस तरह बच्चा अलग-अलग रंगो के गुब्बारे के बारे में प्रश्न करता रहा। तब अंत में गुब्बारे वाले ने बच्चे से कहा- ''बेटा कोई भी गुब्बारा अपने रंग के कारण ऊपर नहीं उड़ता। वो उड़ता है उसके अन्दर भरी हुई गैस के कारण। वो गैस इन गुब्बारो को ऊपर और ऊपर ले जाने का काम करती है।''

ठीक इसी प्रकार हम सभी इन अलग-अलग रंगो के गुब्बारो के समान है। सब में अलग प्रतिभा, क्षमता, संस्कार, विचार है। सबके पास अवसर अलग है। सबकी अलग चुनौतियां है। हम सभी अलग है।

परंतु वे सभी व्यक्ति जिन्होने एक मुकाम हासिल किया हो उन्होने अवसर, प्रतिभा, क्षमता, या चुनौतियों के आधार पर नहीं, परंतु अपने सही संस्कार, सही विचार, सही सोच (सम्यक् ज्ञान) अर्थात सही गैस के आधार पर ऊचाईयों को छुआ है।

बोध - **It's not your APTITUDE but your ATTITUDE that decides your ALTITUDE in Life.**

♦ तेरापंथ की विलक्षण श्राविका ♦

मोखजी खिमेसरा की माताश्री

उदयपुर निवासी मोखजी खिमेसरा की मां श्रद्धाशील और विवेक-सम्पन्न श्राविका थी। वह साधु-साध्वियों की मां थी। बच्चों को धार्मिक संस्कार देने की दृष्टि से वह मनोवैज्ञानिक प्रयोग करती थी। उसके पुत्र मोखजी माता के परम भक्त थे, पर साधु- साध्वियों के पास जाने में संकोच करते थे। एक बार उदयपुर में सन्तों का चातुर्मास था। मोखजी को उनकी मां ने अनेक बार दर्शन करने की प्रेरणा दी। पर वे टालते गए। चातुर्मास के पन्द्रह दिन शेष रहे। उस समय मां ने फिर कहा। इस पर मोखजी बोल- ''मां! मेरी जगह तुम ही जाया करो।'' इस बात से मां के मन को आघात लगा।

मां ने कहा- ''तू जब तक सन्तों के दर्शन नहीं करेगा, मैं तुझसे बात नहीं करूंगी।'' मोखजी ने इस बात को विनोद में लिया। उनका भ्रम तब टूटा जब दिनभर कई बार अपेक्षा होने पर भी मां नहीं बोली। मोखजी ने मां को मनाते हुए कहा- ''मां! मैं अब दर्शन कर लूंगा, तुम बात करो।'' पर मां नहीं बोली। सन्तों के पास नहीं जाने का और कोई कारण नहीं था, उनके अपने मन का संकोच था। उस दिन उन्होंने संकोच छोड़कर सन्तों के दर्शन किए, उनसे बातचीत की और प्रतिदिन दर्शन करने का संकल्प स्वीकार किया। मां का अभिग्रह पूरा हो गया।

♦ संस्था संविधान ♦

सदस्यों के अधिकारः

1. सदस्यों को साधारण सदन में मत देने का अधिकार होगा।
2. सदस्यों को साधारण सदन में संस्था से संबंधित कोई प्रस्ताव लाने का अधिकार होगा।
3. यदि सदस्य सदन में विचारार्थ कोई प्रस्ताव लाना चाहते हैं तो इसकी सूचना लिखित रूप में सदन की कार्यवाही शुरू होने से कम से कम 48 घण्टे पूर्व अध्यक्ष या मंत्री को देनी होगी। अध्यक्ष की अनुमति से बैठक के समय भी प्रस्ताव रखे जा सकेंगे।
   प्रस्ताव लाने वाले सदस्य को प्रस्ताव लाने हेतु 51 सदस्यों या कुल सदस्य संख्या के 10 प्रतिशत सदस्यों (जो भी कम होगा) की सहमति आवश्यक होगी।
   प्रस्ताव बहुमत से पारित होगा।

श्रावक संदेशिका

संघीय संस्थाओं की सदस्यताः

1. कोई भी व्यक्ति अपने मूल निवास स्थान व प्रवास स्थान की शाखा का ही सदस्य बन सकेगा।
2. यदि किसी व्यक्ति के अनेक प्रवास स्थान हो तो वह किसी एक ही प्रवास स्थान की संघीय संस्थाओं का सदस्य बन सकता है।

संस्थागत सामान्य दिशा निर्देशः

1. कोई भी पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य अपने मनोनयन के एक माह के अंदर स्वीकृति पत्र भेजने का प्रयास करें।
2. अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित समय सीमा में ही शाखा मंडल चुनाव मनाव की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन

आचार्य भिक्षु रचित 'अनुकंपा की चौपाई' में लिखा गया है - जिसने सावद्य और निरवद्य अनुकंपा को पहचान लिया उसने जैन धर्म में सम्यक्त्व रूपी रत्न को पहचान लिया। इसी सम्यक्त्व रूपी रत्न की प्राप्ति के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम की परीक्षाएं दिनांक 17 व 20 दिसंबर 2025 को सानंद संपन्न हुईं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन जी नाहटा के सक्षम नेतृत्व में लगभग 98 परीक्षा केन्द्रों में तत्त्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन की परीक्षाओं का आयोजन हुआ।

लगभग 674 परीक्षार्थी भाई-बहनों ने इन परीक्षाओं में भाग लिया और लगभग 21 चरित्रात्माओं की भी इसमें सहभागिता रही। इस वर्ष विदेश (USA) के 13 परीक्षार्थी भी निर्जरा के इस महनीय उपक्रम में सहभागी बने।

इस उपक्रम को सफल बनाने में निदेशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी, प्रबुद्ध श्रावक श्रीमान सुशील बाफना, श्रीमती मनीषा सेठिया, श्रीमती नवीन पींचा, श्रीमती पूनम बैद की अहम भूमिका रही।

महामंत्री श्रीमती रचना हिरण एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बहनें व व्यवस्थापिका बहनों ने पूर्ण जागरूकता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। आभार की श्रृंखला में सभी प्रशिक्षिकाओं के प्रति कृतज्ञता आप सभी के सहयोग से ही यह कार्य सफल हुआ है। आर्थिक सौजन्य हेतु विशेष आभार तत्त्वज्ञ श्राविका स्व. श्रीमती रतनी देवी गोठी, श्रीमान सुमति जी-सुमन जी, श्रीमान योगेंद्र जी-नीलम जी गोठी परिवार के प्रति।

जैन स्कॉलर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत जैन स्कॉलर परियोजना के पांचवे बैच के दूसरे सत्र का शुभारंभ शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलता जी के मंगल पाठ से अमूल्यम गेस्ट हाउस लाड़नूं में प्रारंभ हुआ।

दिनांक 26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में प्रथम दो दिन पूर्व में पढ़ाए गए अध्ययन की परीक्षा हुई और बाद में आगे के सत्र के लिए अध्ययन करवाया गया। प्राकृत का प्रशिक्षण सुमणी संगीत प्रज्ञा जी एवं श्रीमान राजू जी दुगड़ द्वारा दिया गया। कर्म मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा का प्रशिक्षण निर्देशिका डॉ मंजू जी नाहटा, श्रीमान विकास जी गर्ग एवं संस्कृत का प्रशिक्षण श्रीमती सुषमा जी आंचलिया, श्रीमान कमलेश जी जैन द्वारा दिया गया। सहनिर्देशिका - चीफ ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा ने अध्यापन संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को संपादित किया।

सहयोगी प्रशिक्षक श्रीमती नवीन जी पिंचा, श्रीमती शालिनी जी सेठिया, श्रीमती प्रियंका जी सिंघी का पूरा सहयोग रहा। 37 स्कॉलर्स की सराहनीय उपस्थिति रही। संयोजिका श्रीमती सुनीता जी डूंगरवाल, सहसंयोजिका श्रीमती सुमन जी नाहटा के द्वारा सभी व्यवस्थाएँ कुशलतापूर्वक सम्पन्न की गई। स्कॉलर्स को आगे भी इस ज्ञान यात्रा को जारी रखने के विभिन्न तरीक़े बताए गए।

सभी साधु-साध्वियों ने स्कॉलर्स को निरंतर उपयोगी बने रहने की प्रेरणा दी तथा उनके सेवा-दर्शन से सभी को लाभ प्राप्त हुआ। जैन स्कॉलर योजना को आर्थिक रूप से मज़बूत करने के लिए इस कार्यक्रम के प्रायोजक श्रीमान मदन जी - प्रकाश देवी, श्रीमान महेंद्र जी - कांता देवी तातेड़ धानीन, मुंबई का बहुत बहुत आभार।

योगक्षेम वर्ष 2026-2027

♦ प्रज्ञा पाथेय-साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशाला ♦

योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत फ़रवरी माह से प्रारंभ होने वाली साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं के क्रम में मार्च माह में भी चयनित बहनों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। देशभर की 527 शाखाओं को सुव्यवस्थित रूप से विभाजित करते हुए, प्रत्येक सप्ताह 10 क्षेत्रों से 3-3 बहनों का एक समूह इस प्रशिक्षण में सहभागी होगा। प्रातःकाल से सायंकाल तक चलने वाले इन सत्रों में योग, प्रेक्षाध्यान, तत्वज्ञान आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पूज्य प्रवर, साध्वी प्रमुखा जी, मुख्य मुनि प्रवर एवं साध्वीवर्या जी का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

मार्च माह की सूची:

1 MARCH TO 7 MARCH 2026

KARNATKA	GANDHINAGAR	LAXMI BOHARA	9886115497
KARNATKA	HANUMANTHNAGAR	SANGITA TATER	9341919698
KARNATKA	RAJAJINAGAR	SUNITHA KOTHARI	9886088573
KARNATKA	RAJARAJESHWARINAGAR	MANJU BOTHRA	7676632239
KARNATKA	T. DASARAHALLI	GEETHA BABEL	9741556204
KARNATKA	VIJAY NAGAR	MAHIMA PATAWARI	9731036200
KARNATKA	YESHWANTHPUR	REKHA PITALIYA	8310881913
KARNATAKA	HUNSUR	SUNITA DALAL	8884855273

8 MARCH TO 14 MARCH 2026

KARNATKA	K.G.F	SARITHA BANTIA	8861766378
KARNATKA	KOPPAL	SANGEETA SANCHETI	9986198877
KARNATKA	MANDYA	KAMALA BURAD	9036671200
KARNATKA	MANGALORE	SAPNA BENGANI	9342574623
KARNATKA	NANJANGUD	PRAMEELA BHATEWARA	9880263214
KARNATKA	RAICHUR	SWATI NAHATA	7022534580
TELANGANA	HYDERABAD	NAMITA SINGHI	8099990535

15 MARCH TO 21 MARCH 2026

KARNATKA	BELLARY	SHARMILA CHAJJER	9880193359
KARNATKA	CHITRADURGA	PRAMILA KOTHARI	7975290910
KARNATKA	DAVANAGERE	MEENA SETIYA	8050403080
KARNATKA	DHARWAD	MEENA JAIN	9901770696
KARNATKA	GANGAVATHI	SAROJ BAGRECHA	9449752640
KARNATKA	HIRIYUR	SARSO HOPRA	9008972545
KARNATKA	MYSORE	VIJAY LAKSHMI ACHA	7676139149
KARNATKA	SHIMOGA	HEMLATHA BAFNA	8660418607

22 March To 28 March 2026

KARNATKA	CHIKMAGALUR	SANTHOSH KUMARI	8095359009
KARNATKA	GADAG	SHOBHA SANKLECHA	9538162391
KARNATKA	HASSAN	VINITA SURANA	9964418171
KARNATKA	HOSPET	REENA TATER	8867220827
KARNATKA	HUBBALI	BHAGYVANTI BAGRECHA	8088909998
KARNATKA	SAKLESHPUR	PREMA BALLOTA	9241288878
KARNATKA	SAUNDATTI	SARITA JIARWALA	9481559672
KARNATKA	SINDHANUR	VAISHALI NAHAR	8660649467

29 MARCH TO 4 APRIL 2026

HARYANA	GURUGRAM	KUSUM DUGAR	9810810287
ANDHRA PRADESH	KAKINADA	PINKY BOTHRA	7036574843
ANDHRA PRADESH	RAJAHMUNDRY	SUMAN BOTHRA	7675926376
ANDHRAPRADESH	VIJAINAGARAM	ANITA BOTHRA	9346424157
ANDHRA PRADESH	VIJAYAWADA	SANGEETA DUGAR	9393609345
ANDHRA PRADESH	VISAKHAPATNAM	SAPNA VINAYKIYA	9494146703
KERALA	CALICUT (KOZHIKODE)	BIMLA DEVI SANCHETI	97458 99648
KERALA	COCHIN	SAPNA DOSHI	9544418657

आवश्यक निर्देश:

1.चयनित बहनें समय पर अपनी टिकटें बनवाकर संयोजिकाओं को सूचित करें।
2.आवास एवं भोजन की व्यवस्था अ.भा.ते.म.मं. द्वारा रहेगी।
3.प्रशिक्षण संबंधी विस्तृत जानकारी आगामी नारीलोक में प्रकाशित की जाएगी।
4.कृपया पूरे उत्साह, समर्पण एवं अनुशासन के साथ इस विशेष प्रशिक्षण में सहभागिता सुनिश्चित करें।

मुख्य संयोजिका
श्रीमती प्रीति घोषल 88004 46397
संयोजिका
श्रीमती माला कातरेला 98417 25560
श्रीमती सज्जन पारख 92334 23522
श्रीमती राखी बैद 98242 99955
श्रीमती चांद छाजेड़ 93275 49313

"श्रद्धा"
विराट महिला सम्मेलन की गूँज

आपके स्नेह, मार्गदर्शन और प्रेरणा से हमें इतने भव्य, गरिमामय एवं अद्भुत कार्यक्रम में सहभागी बनने का सौभाग्य मिला। प्रत्येक प्रस्तुति मन को छू लेने वाली रही और हर क्षण आनंद व प्रेरणा से परिपूर्ण था।विशेष रूप से भिक्षु म्युजियोरामा की प्रस्तुति अविस्मरणीय रही, जिसने आत्मा को स्पर्श किया और हमारी गौरवमयी विरासत को समझने का अवसर दिया। सभी बहनों की प्रस्तुतियाँ प्रशंसनीय रहीं।

हर्षिदा शाह-मंत्री- तेरापंथ महिला मंडल, डीसा

आचार्य भिक्षु के जीवन दर्शन का जीवंत, भावस्पर्शी और शिक्षाप्रद चित्रण हम सभी के मन-मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ गया।इस श्रद्धा कार्यक्रम ने हमें न केवल जोड़ा, बल्कि सोचने, सीखने और आगे बढ़ने की नई दृष्टि भी प्रदान की।

पायल जैन-मंत्री- जयपुर शहर महिला मंडल

शश्रद्धा कार्यक्रम हमारे संस्कारों, आस्था और एकता को सुदृढ़ करने वाला पावन आयोजन है।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी को एक-दूसरे से मिलने, सीखने और जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सहयोग और प्रेरणा का संचार करते हैं।

कपासन महिला मंडल

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का हम हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हैं। आपके स्नेहपूर्ण नेतृत्व में बिताया गया हर क्षण हमारे लिए अविस्मरणीय बन गया। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि सीख, साधना, संस्कार और अपनत्व से भरा हुआ एक सुंदर अनुभव था।

लता नंगावत-अध्यक्ष- तेरापंथ महिला मंडल, वीजापुर

श्रद्धा" जैसे भव्य, गरिमामय एवं अद्भुत कार्यक्रम के सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।ऐसे उत्कृष्ट, सुसंयोजित और नवाचार से भरपूर कार्यक्रम हमने सचमुच पहली बार देखे।हर एक प्रस्तुति मन को छू लेने वाली थी, प्रत्येक क्षण आनंद और प्रेरणा से परिपूर्ण था। विशेष रूप सेभिक्षु म्युजियोरामा की बहनों द्वारा दी गई प्रस्तुति अविस्मरणीय रही—उसने न केवल आँखों को, बल्कि आत्मा को भी स्पर्श किया।BSR का मोटिवेशनल कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक रहा,जिसने हमारे विचारों को नई दिशा और मन को नई ऊर्जा दी।

सरोज भंसाली-मंत्री

17,18 दिसंबर सिरियारी का प्रोग्राम बहुत ही अच्छा रहा।सुमन आंटी और आपकी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। इस सम्मेलन में मानो ऐसे फील हो रहा था जैसे भिक्षु स्वामी साक्षात दर्शन दे रहे हैं। पुनः आप सबके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

पालघर महिला मंडल

हर कार्यक्रम था नई उमंग से भरा, कर रहा था सबमे अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा और समर्पण का संचार, भर रहा था सब में ऊर्जा अपार,ऐसे भव्य कार्यक्रम के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पुरी टीम का बहुत बहुत आभार।

तेरापंथ महिला मंडल, किशनगढ़

सफल कार्यक्रम के लिए हृदय से महिला मंडल की अध्यक्षा जी का आभार जिनके कुशल मार्गदर्शन और प्रेरणा से यह आयोजन संभव हो पाया। आदरणीय मंत्री जी का विशेष धन्यवाद, जिनकी सक्रिय भूमिका और अथक प्रयासों ने कार्यक्रम को सशक्त बनाया। अखिल भारतीय महिला मंडल की समस्त टीम के बिना यह कार्यक्रम इतना सफल और सार्थक नहीं हो पाता।

लूणकरणसर महिला मंडल

It was a spiritually uplifting, enriching, and deeply memorable experience, with every moment filled with devotion, joy, positive energy, and a beautiful sense of togetherness.

नव कर्तव्य ने नए आयाम रचे, श्रद्धा विराट सम्मेलन ने मन मोहा।गण नंदन वन के आदि प्रवर्तक को समर्पित अभिवंदना में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा, हर भक्त की रग-रग में भिक्षु का स्पंदन जगा। गीतों, घटनाओं और भिक्षु म्यूज़ियोरामा मेंहर क्षण झंकृत हुआ भिक्षु....भिक्षु.....भिक्षु।प्रत्येक प्रस्तुति ने सांवरिया को जीवन्त कर दिया,हम सब हर श्वास में उसी को जीते रहे।ऐसे मेले यूँ ही लगते रहें,श्रद्धा, समर्पण और अभिवंदना के साज बजते रहें।

तेरापंथ महिला मंडल, गुरुग्राम

यह श्रद्धा विराट सम्मेलन हमारे लिए सीखने, समझने और स्वयं को निखारने का एक अद्भुत अवसर बन सका। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि सीख, साधना, संस्कार और अपनत्व से भरा हुआ एक सुंदर अनुभव था।

रेखा भटेवरा-अध्यक्ष- TMM, Bhiloda (Gujrat)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के अध्यक्ष सुमन जी नाहटा एवं महामंत्री रचना जी हिरण और पूरी टीम को ब्यावर महिल मंडल की ओर से दिल से आभार।सभी कार्यक्रम बहुत सुंदर (amazing organise) रहा। यह अनुभव हमें हमेशा याद रहेंगे। आगे भी इस तरह प्रोग्राम आयोजित करते रहे और हमें बुलाते रहे।

Beawar Mahila Mandal

सारी व्यवस्था बहुत अच्छी थी।सभी कार्यक्रम बहुत अर्थपूर्ण और आध्यात्म से परिपूर्ण कार्यक्रम रहा।हमारी राष्ट्रीय अध्यक्षा सुमन जी नाहटा की दूरगामी सोच का ही परिणाम है।हमारी बहनों ने तो इतना भी बोल दिया कि आगे ऐसे कार्यक्रम में हमारा नाम हमे बिना पूछे लिख लेना।

ममता मेहताजसोल-अध्यक्ष तेरापंथ महिला मंडल

सभी कार्यक्रम बहुत ही परिपूर्ण रहे हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जी नाहटा का ये आयोजन बहुत ही अच्छा रहा। इस योजना में सहभागी बनने में राष्ट्रीय सदस्य सारिका जी वागरेचा एवं मीना जी ओस्तवाल का बहुत अच्छा सहयोग रहा। कोटा महिला मंडल पूरी अखिल भारतीय टीम का धन्यवाद तथा आभार व्यक्त करती हैं।

सरिता बरदिया-अध्यक्ष रुचि जैन-मंत्री

This program was truly outstanding, amazing and exceptionally well organized. It was a spiritually uplifting, enriching deeply memorable experience, with every moment filled with devotion, positive energy, and a beautiful sense of togetherness.

Virat mahila sammelan ka ye programme super se bhi upar wala tha....Sab kuch perfect. Food..stay, was nicely arranged. Bahut hi achha experience raha! KUDOS TO THE ENTIRE TEAM OF ABTMM...Special thanks to SUMANJI and RACHNA JI. Looking forward to meet in such programmes again!!!

"श्रद्धा" विराट महिला सम्मेलन का इतना विराट आयोजन, जिसे देख कर, attend कर के इतना अच्छा लग रहा है, जिसे शायद शब्दों में नहीं लिख सकते, बहुत ही व्यवस्थित, अर्थपूर्ण, प्रेरणादायक, अध्यात्म से परिपूर्ण कार्यक्रम रहा।

कांकरोली महिला मंडल

विराट महिला सम्मेलन की गूँज पूरे विश्व में, यह खबर सुर्खियों मैं छा रही! यू तो हमारी केसरिया शक्ति की विश्व में है एक विशिष्ट पहचान, लेकिन सुमन जी के नेतृत्व ने डाल दी है इसमें एक नई जान। दो दिवसीय इस भव्य आयोजन की जितनी सराहना की जाए वह है कम गर्व है हमें कि इस अद्वितीय, अविस्मरणीय कार्यक्रम के साक्षी बने हम!

तेरापंथ महिला मंडल, सी-स्कीम, जयपुर

आपके स्नेह, मार्गदर्शन और प्रेरणा से हमें इतने भव्य, गरिमामय एवं अद्भुत कार्यक्रम में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।ऐसे उत्कृष्ट, सुसंयोजित और नवाचार से भरपूर कार्यक्रम हमने सचमुच पहली बार देखे।मोटिवेशनल (BSR) कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक रहा, जिसने हमारे विचारों को नई दिशा और मन को नई ऊर्जा दी।सचमुच, हर पल हमने पूरे मन से आनंद लिया और ढेरों मधुर स्मृतियाँ अपने साथ लेकर लौटे।

जतन नाहटा-अध्यक्ष- तेरापंथ महिला मंडल, अंकलेश्वर

श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिसके आयोजन कर्ता को बहुत बहुत धन्यवाद। पूरी टीम ने बड़े ही सुन्दर तरीके से व्यवस्था करी, जिसका बयान शब्दों में नहीं कर सकती। सम्मेलन में आकर मुझे बहुत अच्छा लगा।

ज्योति चौपड़ा-अध्यक्ष बकानी

सुमन जी के कुशल एवं प्रेरक नेतृत्व में मंडल निरंतर नए विचारों और सकारात्मक दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में सिरियारी में संपन्न हुआ विराट महिला सम्मेलन श्रद्धा एक भव्य, सुव्यवस्थित और अत्यंत प्रभावशाली आयोजन रहा। इस सम्मेलन की संकल्पना जितनी व्यापक थी, उसका प्रस्तुतीकरण भी उतना ही सुंदर दिखाई दिया, जिससे पूरे वातावरण में गरिमा और उत्साह

धन्यवाद हमे इसमें बुलाने के लिए। आपके नेतृत्व और समर्थन ने हमारे अनुभव को और भी मजबूत बना दिया। आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आप की सम्पूर्ण टीम को बहुत धन्यवाद देते है कि जिन्होंने हमारे साथ इतना अच्छा व्यवहार किया हर जगह हमसे प्यार से बात कर हमे मान सम्मान दिया आपने जो हमें वक्त दिया।

सीमा महनोत-मंत्री

पूज्यवरों के मंगल आशीर्वाद से 17 -18 दिसंबर 2025 को विराट श्रद्धा महिला सम्मेलन का आह्वान कर आपने दूरदर्शिता, उत्साह, जोश के साथ इस सम्मेलन को ज्ञानवर्धक एवं भव्यता का रूप देते हुए ऐतिहासिक बना दिया, जो नारी शक्ति के मस्तिष्क पटल पर हमेशा अंकित रहेगा।

उषा सिसोदिया, भीलवाड़ा

तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन जी नहाटा के ये शब्द हम सभी को बहुत हि अच्छे लगे की आप सभी से मेरे को बाते करनी है ..एक एक से बाते करनी है ऐसी अध्यक्ष मिल जाए तो फिर किस बात की कमी महसूस करे..बहुत बहुत धन्यवाद आपकी पूरी टीम का हमारी सायरा महिला मंडल की तरफ से आभार व्यक्त करती हूं...

सुशीला कावड़िया-अध्यक्ष जया मेहता-मंत्री-सायरा

इस भव्य और ऐतिहासिक आयोजन को साकार करने वाली हमारी ऊर्जावान अध्यक्षा सुमन जी नाहटा एवं उनकी पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। आपका निस्वार्थ समर्पण और अथक परिश्रम इस आयोजन की वास्तविक नींव रहा।

चंचल भंडारी-अध्यक्ष रेखा श्रीश्रीमाल-मंत्री
तेरापंथ महिला मंडल, बालोतरा

श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन", वास्तव में एक अत्यंत सुंदर और यादगार अनुभव रहा। सभी व्यवस्थाएँ बहुत ही शानदार ढंग से की गई थीं। कहीं भी किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई और हम सभी ने इस महोत्सव का भरपूर आनंद लिया।

तेरापंथ महिला मंडल, राजनगर

अखिल भारतीय की अध्यक्षा जी, महामंत्री जी व आपकी पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद आपने इतने सुंदर कार्यक्रम को आयोजित किया। ध्वजारोहण का कार्यक्रम, स्वागत कार्यक्रम और 6 सत्र में जो कार्यक्रम आयोजित किए गए वह सभी बहुत ही अच्छे लगे। आप सबका हृदय से आभार ज्ञापित करते हैं, हम सब बहनों को बहुत ही आनंद आया। पूरा वातावरण भिक्षुमय बना हुआ था।

महिला मंडल, उत्तर दिल्ली

Jai jinendra sa Akhil Bhartiya mahila mandal ka program superb raha...Food was good. Pura team ka coordination acha raha. Special thanks team or Sumanji, Rachanaji.BSR motivational speaker bahut hi acha lagha. Future mai aisa rakhana chayiye

"श्रद्धा"
विराट महिला सम्मेलन की गूँज

तेरापंथ महिला मंडल, डीसा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जी एवं महामंत्री रचना जी के प्रति हम हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते हैं। आपके स्नेह, मार्गदर्शन और प्रेरणा से हमें इतने भव्य, गरिमामय एवं अद्भुत कार्यक्रम में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसे उत्कृष्ट, सुसंयोजित और नवाचार से भरपूर कार्यक्रम हमने सचमुच पहली बार देखे। हर एक प्रस्तुति मन को छू लेने वाली थी विशेष रूप से भिक्षु म्युजियोरामा की बहनों द्वारा दी गई प्रस्तुति तो अविस्मरणीय रही- उसने न केवल आँखों को, बल्कि आत्मा को भी स्पर्श किया और हमें हमारी विरासत के बारे मे अच्छे से जानने को मिला।सभी बहनों की प्रस्तुतियाँ अत्यंत सुंदर, भावनात्मक और प्रशंसनीय थीं ओर मोटिवेशनल का कार्यक्रम भी अत्यंत प्रेरणादायक रहा, जिसने हमारे विचारों को नई दिशा और मन को नई ऊर्जा दी। सचमुच, हर पल हमने पूरे मन से इंजॉय किया और ढेरों मधुर स्मृतियाँ अपने साथ लेकर लौटे। और जो भिक्षु म्युजियोरामा के वीडियो को यू ट्यूब के माध्यम से ज्ञान शाला के बच्चों को दिखाए तो वो भी हमारी गौरवमय विरासत को देखे।

ध्वजारोहण से लेकर भिक्षु स्वामी के जप, गुरुदेव के दर्शन एवं मंगलपाठ तक- प्रत्येक सत्र सुपर से भी ऊपर रहा। कहीं भी ऐसा नहीं लगा कि कुछ कमी रह गई हो। यदि किसी विशेष का उल्लेख करूँ तो हमारे गुणों के भंडार माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन बाई की वाणी की अद्भुत कला उल्लेखनीय है। जब वे बोलती हैं तो सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं।दोनों दिन का पूरा कार्यक्रम अत्यंत शानदार सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रहा।अखिल भारतीय महिला मंडल की अध्यक्षा जी, महामंत्री जी एवं पूरी टीम को हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने इतनी सुंदर व्यवस्था की और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अथक परिश्रम किया।

सुशीला मालू
अध्यक्ष- तेरापंथ महिला मंडल, गुवाहाटी

श्रद्धा- दो दिवसीय विराट महिला सम्मेलन अत्यंत भव्यता, अनुशासन और सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस सम्मेलन की सफलता के पीछे आदरणीय अध्यक्ष महोदया की दूरदर्शिता, अथक परिश्रम और सशक्त नेतृत्व प्रमुख रहा, जिनके मार्गदर्शन में सभी कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली बने। राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी जी का प्रेरणादायी उद्बोधन सम्मेलन का विशेष आकर्षण रहा, जिसने नारी शक्ति और सामाजिक दायित्व के प्रति नई ऊर्जा प्रदान की। 'भिक्षु म्यूज़ियोरामा' एक अद्भुत और अविस्मरणीय प्रस्तुति रही, जिसकी विषयवस्तु और भावनात्मक प्रभाव ने सभी को गहराई से छू लिया। बी.एस.आर. जी का प्रेरणासत्र भी अत्यंत सशक्त और मार्गदर्शक रहा।यह सम्मेलन प्रेरणा, आनंद, अनुशासन और एकता का सुंदर संगम रहा, जो सभी के हृदय में चिरस्थायी स्मृति बनकर रहेगा।

भरूच महिला मंडल आपका बहुत आभारी है। आप ने हमें यह मौका दिया हम आप से मिल सके, समाधिस्थल का दर्शन करने का अवसर प्रदान हुआ। आपके नेतृत्व में हमने वहां बहुत मजा किया! धन्यवाद इस शानदार कार्यक्रम के लिए आपकी वजह से हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। धन्यवाद। सुमन जी और रचना जी, आपके साथ बिताया समय बहुत अच्छा रहा। धन्यवाद इस यादगार कार्यक्रम के लिए ओर हमे इसमें बुलाने के लिए। आपके नेतृत्व और समर्थन ने हमारे अनुभव को और भी मजबूत बना दिया। आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आप की सम्पूर्ण टीम को बहुत धन्यवाद देते है कि जिन्होंने हमारे साथ इतना अच्छा व्यवहार किया हर जगह हमसे प्यार से बात कर हमे मान सम्मान दिया आपने जो हमें वक्त दिया आज आपके ही कारण हम इस श्रद्धा विराट सम्मेलन में बहुत कुछ सीखने को मिला। सभी क्षेत्र की बहनों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ।

सिरियारी में आयोजित विराट महिला सम्मेलन में मैं सहभागी बनी। अपने पूरे जीवन में मैंने इस प्रकार का सम्मेलन पहली बार देखा। ऐसा प्रतीत हुआ मानो हम सभी ने स्वयं भिक्षु स्वामी के दर्शन कर लिए हों।

तेरापंथ महिला मंडल, कृष्णाई

पावन धाम पर दो दिवसीय श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन हर सत्र में कुछ नया, श्रद्धा से ओत-प्रोत मोटिवेट करने वाला रहा। हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जी की इस नई सोच नई पहल ने वहां आने वाली हर महिला के अंदर उत्साह भर दिया, बहुत-बहुत आभार राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंत्री एवं उनकी पूरी टीम को, आप सभी के श्रम को नमन इतनी सुंदर व्यवस्था, प्रोग्राम के लिए।

तेरापंथ महिला मंडल, खेड़ब्रह्मा

जय जिनेंद्र, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने विराट महिला सम्मेलन में जो प्रोग्राम आयोजित किया उस में इतना सुंदर तरीके से आयोजित किया कि इनके कहने के लिए मेरे पास कोई शब्द ही नहीं इतना अच्छा लगा हमें और हमें गुरु दर्शन भी करवाये भिक्षु स्वामी की जन्मस्थली को देखने का भी मुझे पहला ही अवसर प्राप्त हुआ।

गुलाबपुरा

ऐसे उत्कृष्ट, सुसंयोजित और नवाचार से भरपूर कार्यक्रम हमने सचमुच पहली बार देखे। हर एक प्रस्तुति मन को छू लेने वाली थी, प्रत्येक क्षण आनंद और प्रेरणा से परिपूर्ण था।विशेष रूप से भिक्षु म्युजियोरामा की बहनों द्वारा दी गई प्रस्तुति तो अविस्मरणीय रही- उसने न केवल आँखों को, बल्कि आत्मा को भी स्पर्श किया।

सरोज सुराना-अध्यक्ष-तेरापंथ महिला मंडल, वापी

जब से मंडल को मिला सुमन जी का नव नेतृत्व,नूतन चिंतन और नव आयामों से कर रही प्रतिनिधित्व।सिरियारी में आयोजित विराट महिला सम्मेलन - "श्रद्धा" के आयोजन की वो सोच थी विराट।ढोल नगाड़ों संग हुआ हमारा भव्य स्वागत, मिला प्रथम सत्र में हार रूपी यादगार अमानत।हर session ने श्रद्धा को परवान चढ़ाया, भिक्षु समाधि स्थल पर हुआ ये आयोजन मन भाया।हर एक सत्र की थी अलग बात, पर गुरु सन्निधि में समापन सत्र था बहुत ख़ास।

मंगला कुण्डलिया-अध्यक्ष दीपिका नाहटा-मंत्री

श्रद्धा के पावन धाम सिरियारी में, अनुभूति अलौकिक छाई,विराट सम्मेलन ने हर मन में, श्रद्धा की ज्योति जगाई।ऊर्जा से भरपूर हर सत्र था, गरिमा से ओत-प्रोत हर भाव,नाटिकाओं ने प्रतिभा दिखाई, मन हुआ निहाल, अभिभाव।ऐसी प्रस्तुति, ऐसा समर्पण, समय का भी भान न रहा,हर पल कुछ छूट न जाए, यही उत्साह मन में बहा।आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन जी संग ABTMM की पूरी टीम को नमन,सुचारु, भावपूर्ण आयोजन ने सचमुच जीत लिया हर मन।यह सम्मेलन बना प्रेरणा, शक्ति, साधना का आधार,महिला समाज की प्रगति का, यह उज्ज्वल स्वर्णिम द्वार।

रंजू सेठिया-अध्यक्ष एवं टीम, सिलीगुड़ी

सिरीयारी में आयोजित विराट महिला सम्मेलन का अनुभव अत्यंत प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहा। संपूर्ण कार्यक्रम बहुत ही सुव्यवस्थित था और प्रत्येक सत्र से कुछ न कुछ सीखने को मिला। गुरुदेव एवं साध्वी प्रमुखा जी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो हमारे लिए अत्यंत आनंद और प्रेरणा का विषय रहा।"भिक्षु म्यूजियोरामा" कार्यक्रम श्रद्धा, ऊर्जा और प्रेरणा से परिपूर्ण था। मेरा विनम्र सुझाव है कि इस कार्यक्रम को बच्चों के लिए भी दिखाने की व्यवस्था की जाए, ताकि वे भी इससे प्रेरणा ग्रहण कर सकें। भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायक और सार्थक कार्यक्रम निरंतर होते रहें, यही शुभकामना है।

राजश्री कोठारी-तेरापंथ महिला मंडल, साल्ट लेक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन में हम सब बहनों को बहुत ही आनंद आया। पूरा वातावरण भिक्षुमय बना हुआ था। राष्ट्रीय अध्यक्षा सुमन जी का हृदय से आभार जिनकी गहन सोच से न सिर्फ कार्यक्रम सफल रहा अपितु गुरु चरणों की पावन सन्निधि व प्रमुखाश्री जी का वरदहस्त पा सभी बहनों के अंदर एक नया उत्साह भर गया।अखिल भारतीय की अध्यक्षा जी, महामंत्री जी व आपकी पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद आपने इतने सुंदर कार्यक्रम को आयोजित किया।ध्वजारोहणका कार्यक्रम, स्वागत कार्यक्रम और 6 सत्र में जो कार्यक्रम आयोजित किए गए वह सभी बहुत ही अच्छे लगे। उत्तर दिल्ली मंडल से 15 बहनों की सभी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता रही। आप सबका हृदय से आभार ज्ञापित करते हैं।

फेसबुक लाइव के माध्यम से पूरा कार्यक्रम देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संकल्पना, अत्यंत प्रशंसनीय और प्रेरणादायक रहा।यह कार्यक्रम आपकी दूरदर्शिता, नेतृत्व क्षमता और अथक परिश्रम का जीवंत उदाहरण है।।ईश्वर से कामना है कि आप इसी प्रकार संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाते रहें। इस सफल एवं भव्य आयोजन के लिए आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

अमिता नाहटा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का हम हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हैं। आपके स्नेहपूर्ण नेतृत्व में बिताया गया हर क्षण हमारे लिए अविस्मरणीय बन गया। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि सीख, साधना, संस्कार और अपनत्व से भरा हुआ एक सुंदर अनुभव था।

लता नंगावत-अध्यक्ष-तेरापंथ महिला मंडल, वीजापुर

आपके ही कारण हमें इस श्रद्धा विराट सम्मेलन में बहुत कुछ सीखने का मौक़ा मिला।यह कार्यक्रम हमारे लिए अत्यंत यादगार और प्रेरणादायक रहा।

अनीता बापना
अध्यक्ष
महिला मंडल, कोपर खैरना

सादर जय जिनेंद्र!
गूँजा सिरियारी में भक्ति का गान,
ABTMM ने आयोजित किया,
श्रद्धा का सम्मेलन महान।
प्रत्येक सत्र था इतना मनभावन,
कठिन है उसका शब्दों में प्रतिलेखन,
दिव्य छटा को देख वहाँ,
झूम उठा हर एक का मन।

शाखा मंडलों ने नृत्य से,
स्वामी जी को दी श्रद्धांजलि,
भक्ति के पावन रंगों में,
खिल उठी हृदय की हर कली।
'भिक्षु म्युजियोरामा' के दृश्य,
थे श्रद्धा से ओत-प्रोत,
जितेंद्र-अभिलाषा के संगान ने,
जगा दी अंतर की ज्योत।

भिक्षु समाधि स्थल पर हुआ,
सामूहिक जप अनुष्ठान,
श्रद्धा संग सबने मिलकर,
किया गुरु का गुणगान।
BSR ने किया कमाल,
दिए मोटिवेशन के सूत्र महान,
खुशहाली की राह दिखाई,
मुस्कान सजी हर एक मुस्कान।

खाने-पीने की व्यवस्था ने,
सबको कर दिया निहाल,
समय का कुछ भान न रहा,
बीते पल बने खुशहाल।
मिला गुरुवर का पावन सानिध्य,
और मंगल पाठ का साथ,
सिरियारी की पावन धरा पर,
सजा धर्म का सुंदर ठाठ।

सफल नहीं—सफलतम रहा,
यह श्रद्धा का अनुपम संगम,
ABTMM का परचम अब,
लहराएगा हरदम हरदम।
अध्यक्ष सुमन जी एवं पूरी टीम को,
हृदय से कोटि-कोटि बधाई,
साधुवाद! ऐसे आयोजनों ने,
समाज में चेतना जगाई।

मंजू चोपड़ा
तेरापंथ महिला मंडल, साल्टलेक

राष्ट्राध्यक्ष सुमन जी का हृदय से आभार जिनकी गहन सोच से न सिर्फ कार्यक्रम सफल रहा अपितु गुरु चरणों की पावन सन्निधि व प्रमुखाश्री जी का वरदहस्त पा सभी बहनों के अंदर एक नया उत्साह भर गया। ABTMM की अध्यक्षा जी, महामंत्री जी व आपकी पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद आपने इतने सुंदर कार्यक्रम को आयोजित किया।

महिला मंडल उत्तर दिल्ली

अखिल भारतीय महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन जी, महामंत्री जी व आपकी पूरी टीम को बहुत बहुत साधुवाद। हर सत्र की प्रस्तुतियाँ बहुत ही रोचक थी। आप सभी का हृदय से बहुत बहुत आभार, और आगे भी ऐसे कार्यक्रमो का हमें इंतजार रहेगा और हम लुधियाना महिला मंडल को भी कुछ करने का मौका मिलेगा.....

तेरापंथ महिला मंडल, लुधियाना-पंजाब

ज्ञान चेतना
प्रश्नोत्तरी
जनवरी 2026
QUIZ -3

महिला मंडल QUIZ

सही उत्तर लिखें:

1. संयम की उपज क्या है?
2. अंहिसा का उद्देश्य क्या है?
3. किसी को आग से बचाना कौन सी दया है?
4. क्या है जो विभक्त भी है और अविभक्त भी?
5. कौन अपने खानपान के लिए जीव हिंसा नहीं करता?
6. आचार्य भिक्षु के सात प्रंसगों में अहिंसक का धर्म क्या है?
7. निरवद्य दान संसार मुक्ति का हेतु है यह किसकी वाणी है?
8. किस की साधना करना आत्मवादी व्यक्ति का सहज धर्म है?
9. दया, दान और परोपकार कोन से जीवन के आधार स्तंभ तत्व है?
10. बंदूक धारण करने वाले और उसकी सहायता करने वालो को अंहिसा की दृष्टि से एक किसने कहा?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें:

1. ___ ही युद्ध है।
2. काम साध्य है, ___ उसका साधन।
3. ___ और अंहिसा का सिद्धान्त एक नहीं।
4. व्यापार अलग और सत्य ___ दया अलग।
5. जीव घात या जीव रक्षा- उनकी ___, नहीं है।
6. अहिंसा में जीव रक्षा हो सकती है पर उसकी ___ नहीं है।
7. अव्रत को सींचेगा उसे आम की जगह ___ का फल मिलेगा।
8. अहिंसा का ध्येय जीव-रक्षा हो तो ___ का विचार सुरक्षित नहीं रहता।
9. भगवान महावीर ने तीन पक्ष बतलाए- अधर्म पक्ष, धर्म पक्ष और ___ पक्ष।
10. असंयमी का सहयोग देने के साथ भी ___ हिंसा का मनोभाव जुड़ा हुआ है।

दिसम्बर की महिला मंडल Quiz के सही जवाब:

सही उत्तर लिखें		रिक्त स्थान की पूर्ति करें	
1) मन्द बुद्धिवालों	6) करण योग	1. मिश्र	6.धर्म
2) पुद्गल	7) लौकिक दया	2. व्रताव्रती	7. अनुचित
3) अणुव्रत	8) अभयदान	3. आचार्य भिशु	8. दया
4) महात्मा गांधी	9) अभयदान	4. कुगुरां	9. संयमवाद
5) अनात्मवादी	10) असंयमी	5. ममता	10. दान

संदर्भ: भिक्षु विचार दर्शन (Page 124-143)

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

संयोजिका	सह संयोजिका
श्रीमती अर्चना भंडारी	श्रीमती मीना बडाला
98100 11500	93209 53145

Google Form Link:
https://forms.gle/RMcJatk35vWwvvuM8

कन्या मंडल QUIZ

Crosswords:

संदर्भ: तेरापंथ प्रबोध, पद्य संख्या 21 to 30

बांए से दांए (Left to Right)

1. गुरु की आंखों में पानी देख भीखण जी को किनकी स्मृति हो आयी (4)
3. पांचवा आरा (3)
7. आचार्य रूघनाथ जी ने अभिशाप रूप में कितनी बातें कही (1)
8. एक ओर आगम व एक ओर किनका अपनत्व था (2)
10. रूघनाथ जी के अनुसार दो घड़ी शुद्ध चारित्र पालने से क्या उपलब्ध हो सकता है (5)
12. गुरु के अभिशाप को भीखणजी ने क्या माना (4)
15. भीखणजी ने किसे पहरेदार माना है (2)
18. भगवान (चरम तीर्थंकर) के शासनकाल में कितने साधु थे (6)

उपर से नीचे (Top to Bottom)

1. पांच महाव्रत रूप चारित्र ग्रहण करना (2)
2. किनका साहस शिखर चढ़ा (2)
4. अंतिम तीर्थंकर (4)
5. वि.सं.1816 का चातुर्मास भीखणजी ने कहां किया था (4)
6. तेरापंथ के प्रथम तेरह श्रावकों में से एक (7)
9. अभिनिष्क्रमण के बाद भीखणजी ने किसकी छतरी मे रात्रिकालीन प्रवास किया (5)
11. भीखणजी ने अभिनिष्क्रमण किस तिथि को किया (3)
13. सरिता (2)
14. कठिनाई को सहन करना (4)
15. दर्पण (3)
16. व्याध्र (2)
17. अंतिम केवली आचार्य (2)

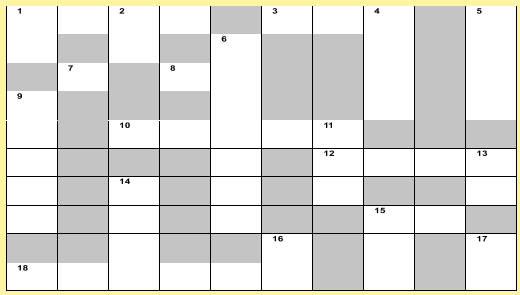

दिसम्बर की कन्या मंडल Quiz के सही जवाब:

दाएं से बाएं	ऊपर से नीचे
1 तेरापंथ धर्मसंघ	1 तेरापंथ
6 ज्वर	2 पंचम
8 मेवाड़	3 धर्म
9 राजनगर	4 संकल्प
11 आगम	5 मारवाड़
12 सोढा	7 जिनदेव
13 चार	9 रामचरणजी
14 बुवा	10 रघुवर
16 भीखणजी	15 आचार
18 सतपथ	17 पथ

संयोजिका श्रीमती मंजू भूतोडिया 93121 73434

Google Form Link: https://forms.gle/QXUwL4295pKu2NARA

प्रश्नोत्तरी भरकर भेजने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

कार अनुदान

11 लाख
श्रीमान शांतिलाल जी-संगीता जी श्रीमान वैभव जी-पूजा जी पितलिया एवं श्रीमान विपुल जी नेहा जी मांडोत
बैंगलोर

सिरयारी सम्मेलन अनुदान

5.25 लाख
श्रीमती सोना देवी, समता जी, विनीता जी बैंगानी
पाली - सूरत

5 लाख
श्रीमान ख्यालीलाल जी तातेड़
मुम्बई

4.5 लाख
श्रीमती प्रभा जी किशोर जी सिंघवी
बालोतरा

2 लाख
श्रीमती दीपिका जी बोथरा
बीकानेर

2 लाख
श्रीमान बदरीलाल जी, सुखलाल जी, उत्तमचंद जी पितलिया परिवार
बैंगलोर

2 लाख
श्रीमान रोशनलाल जी, दिनेश जी, राकेश जी, अरविंद जी पोखरणा परिवार
बैंगलोर

2 लाख
श्रीमती विमला जी दुगड
जयपुर

2 लाख
श्रीमती साधना जी श्यामसुखा
लुधियाना

2 लाख
श्रीमती संगीता जी श्यामसुखा
कोलकता

2 लाख
श्रीमान ललित जी, नरेन्द्र जी, भरत जी, विवेक जी, वैभव जी, विनम्र जी मांडोत परिवार
बैंगलोर

पंजीकृत कार्यालयः रोहिणी, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
Rachna Hiran
604 Thakur Jewel,
Near HDFC Bank,
Thakur Village, Kandivali East,
Mumbai - 400101
Mob.: 9821385587
Email: rachnapritam@yahoo.co.in

नारीलोक

नारीलोक प्राप्ति हेतु संपर्क सूत्र
Nutan Lodha
Mob.: 9869371153

कोषाध्यक्ष
Mamta Ranka
Indra Chowk New Line,
Gangashahar,
Bikaner- 334401
Mob.: 9414142924
Email: mamtaranka002@gmail.com

www.abtmm.org

www.facebook.com/abtmmjain/

www.youtube.com/channel/UCMnsuMEyhhQWvDbnrfwpdEQ